पाठ्यक्रम

(Syllabus)

परामर्श और निर्देशन में डिप्लोमा

(DIPLOMA IN GUIDANCE AND COUNSELLING)

सत्र 2017-18

>

मनोविज्ञान विभाग

शिक्षा विद्यापीठ

महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

पोस्ट - हिंदी विश्वविद्यालय, गाँधी हिल्स, वर्धा, महाराष्ट्र - 442001

परामर्श और निर्देशन में डिप्लोमा

(DIPLOMA IN GUIDANCE AND COUNSELLING)

उद्देश्य : इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य परामर्श व निर्देशन की सैध्दांतिक एवं व्यवहारिक आधारभूत जानकारी तथा विभिन्न सांस्कृतिक परिवेशों में निर्देशन तथा परामर्श के कौशल का विकास करना है।

विश्वविद्यालय द्वारा अपनाये जाने वाले च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (CBCS) के अनुरूप विभागीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम का प्रारूप

प्रथम सेमेस्टर

क्र	कोड	विषय	क्रेडिट्स	अंक
1	**DGC001**	निर्देशन एवं परामर्श का परिचय	4	100
2	**DGC002**	परामर्श: प्रक्रिया एवं तकनीक	4	100
3	**DGC003**	केस अध्ययन	2	50
		कुल	10	250

द्वितीय सेमेस्टर

क्र	कोड	विषय	क्रेडिट्स	अंक
1	**DGC004**	शैक्षणिक निर्देशन तथा जीविका परामर्श	4	100
2	**DGC005**	परामर्श के विशिष्ट क्षेत्र	4	100
3	**DGC006**	क्षेत्र अध्ययन रिपोर्ट	2	50
		कुल	10	250

अवधि : एक वर्ष (दो सेमेस्टर)

योग्यता- किसी भी अनुशासन अथवा विषय में न्यूनतम 50% (SC/ST/**OBC(नॉन क्रीमी लेयर)**/दिव्यांगों के लिए 45%) अंको के साथ किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से स्नातक परीक्षा उर्तीण।

प्रवेश प्रक्रिया: विभागीय स्तर पर लिखित एवं साक्षात्कार।

पाठ्यक्रम की सेमेस्टरवार विवेचना

प्रथम सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न-पत्र: निर्देशन एवं परामर्श का परिचय (4 क्रेडिट)

इकाई १: परामर्श एवं निर्देशन का स्वरुप, परिभाषा एवं उद्देश्य, परामर्श एवं निर्देशन की आवश्यकता एवं क्षेत्र

इकाई २: परामर्श की चुनौतियाँ एवं उनके नैतिक मुद्दे

इकाई ३: निर्देशन एवं परामर्श में अंतर, निर्देशन एवं परामर्श के सिद्धांत एवं उपागम

इकाई ४: प्रभावी परामर्शदाता की विशेषताएँ, परामर्श में श्रवण, चिंतन एवं मनन की भूमिका, परामर्श तथा परामर्शदाता के बीच चिकित्सकीय सम्बन्ध

द्वितीय प्रश्न-पत्र: परामर्श: प्रक्रिया तथा तकनीक (4 क्रेडिट)

इकाई १: परामर्श कार्य की प्रक्रिया: परामर्श की विभिन्न अवस्थाएँ

इकाई २: परामर्श साक्षात्कार में निहित चरण, परामर्श साक्षात्कार में अवाचिक सम्प्रेषण, प्रभावित करने वाले कारण, परामर्श प्रक्रिया में हस्तक्षेप प्रणाली

इकाई ३: परामर्श के विभिन्न सैद्धांतिक उपागम: मनोविश्लेषणवाद, व्यवहारवाद, मानवतावाद

इकाई ४: परामर्श की तकनीकें

तृतीय प्रश्न-पत्र: दो केस अध्ययन (2 क्रेडिट)

1. ऐसा सेवार्थी जिसे परामर्श की आवश्यकता हो।

2. ऐसा सेवार्थी जिसे परामर्श मिल चुका हो।

संस्तुत पुस्तकों की सूची:

- दुबे, र. (1978). शैक्षिक एवं व्यवसायिक निर्देशन के मूल सिद्धांत, मेरठ: राजेश पब्लिशिंग हाउस।
- राय, अ. & अस्थाना म. (2005). निर्देशन एवं परामर्शन (संप्रत्यय, क्षेत्र एवं उपागम) वाराणसी, मोतीलाल बनारसीदास।
- Rao, S.N. (2000). Counselling and Guidance. Tata McGraw Hill.
- Oberoi, S.C. (2003). Educational, Vocational Guidance and Counselling. Meerut, International Publishing house,
- Bhatia, K.K. (2000). Principles of Guidance and Counselling. Ludhiana, Kalyani Publishers.
- Belkin, G. S. (1998). Introduction to Counselling (3rd Ed.) Iowa: W. C. Brown.
- Capuzzi,D. &Gross, D. R. (2007). Counselling and Psychotherapy: Theories and Interventions (4th Ed.) New Delhi. Pearson.

- Corey, G. (2009) Counselling and Psychotherapy; Theory and Practice.(7th Ed.) New Delhi: Cengage Learning.
- Gibson, R. L. & Mitchell, M. H. (2012).Introduction to Counselling and Guidance (7th Ed.) New Delhi: Pearson.

ज्ञान शांति मैत्री

द्वितीय सेमेस्टर

चतुर्थ प्रश्न-पत्र: शैक्षणिक निर्देशन तथा जीविका परामर्श (4 क्रेडिट)

इकाई १: शैक्षणिक निर्देशन की प्रक्रिया, शैक्षणिक निर्देशन की समस्यायें

इकाई २: निर्देशन कार्यक्रम का कार्यान्वयन: निर्देशन कार्मिक, विद्यालय एवं समुदाय

इकाई ३: शैक्षिक संस्थाओं में निर्देशन: प्राथमिक, माध्यमिक, कालेज एवं विश्वविद्यालय

इकाई ४: जीविका (कैरियर) का सम्प्रत्यय तथा सिद्धांत, कैरियर सूचना प्रसार की तकनीकें

पंचम प्रश्न-पत्र: परामर्श के विशिष्ट क्षेत्र (4 क्रेडिट)

इकाई १ : असामान्य बच्चों के लिए परामर्श

इकाई २ :शादी के पहले तथा शादी के बाद की परामर्श प्रक्रिया

इकाई ३ : परिवार तथा वृद्धों के लिए परामर्श प्रक्रिया, समूह परामर्श

इकाई ४ : विशिष्ट क्षेत्र : HIV/AIDS, आत्महत्या की प्रवृति, शराब, क्रोध, वियोग/शोक में परामर्श

षष्ठम प्रश्न-पत्र: क्षेत्र अध्ययन रिपोर्ट (2 क्रेडिट)

वास्तविक केस अध्ययन जो कि क्षेत्र कार्य पर आधारित हो।

- अपने क्षेत्र के सरकारी हॉस्पिटल के RTI/STI सेंटर का दौरा कर एक रिपोर्ट तैयार कीजिए कि महिला/पुरुष में RTI/STI के क्या लक्षण होते हैं तथा उपचार न कराने पर क्या दुष्परिणाम हो सकते हैं?

अथवा

- अपने जिले में स्थापित Family-Court का दौरा कर एक रिपोर्ट तैयार कीजिए कि पारिवारिक विवादों के कारण माता-पिता के अलगाव होने के उपरांत उनके बच्चों के जीवन-यापन में आने वाली कठिनाइयां क्या हैं तथा उनको कैसे दूर किया जा सकता है?

अथवा

- अपने मोहल्ले के विद्यार्थियों की व्यावसायिक जागरूकता पर एक रिपोर्ट तैयार कीजिए।

संस्तुत पुस्तकों की सूची:

- दुबे, र. (1978). शैक्षिक एवं व्यवसायिक निर्देशन के मूल सिद्धांत, मेरठ: राजेश पब्लिशिंग हाउस।
- राय, अ. & अस्थाना म. (2005). निर्देशन एवं परामर्शन (संप्रत्यय, क्षेत्र एवं उपागम) वाराणसी, मोतीलाल बनारसीदास।
- Rao, S.N. (2000). Counselling and Guidance. Tata McGraw Hill.
- Oberoi, S.C. (2003). Educational, Vocational Guidance and Counselling. Meerut, International Publishing house,
- Bhatia, K.K. (2000). Principles of Guidance and Counselling. Ludhiana, Kalyani Publishers.